केन्द्रीय विद्यालय, आई. एन. ए. कॉलोनी,
नई दिल्ली- ११००२३

**KENDRIYA VIDYALAYA, I.N.A COLONY,
NEW DELHI-110023**

विद्यालय पत्रिका (2025-26)

VIDYALAYA PATRIKA (2025-26)

अध्यक्ष का संदेश

विद्यालय की ई-मैगज़ीन के प्रकाशन पर छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और कर्मचारियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

यह पत्रिका हमारे छात्रों की रचनात्मकता, प्रतिभा और बौद्धिक जिज्ञासा की एक जीवंत झलक है। यह युवा मस्तिष्कों को लेखों, कविताओं, कहानियों, कलाकृतियों और विभिन्न रचनात्मक योगदानों के माध्यम से अपने विचारों, सोच और आकांक्षाओं को व्यक्त करने का एक बहुमूल्य मंच प्रदान करती है। ऐसी पहल न केवल साहित्यिक और कलात्मक कौशल को निखारती है, बल्कि आत्मविश्वास, नवाचार और सर्वांगीण विकास को भी बढ़ावा देती है।

मैं संपादकीय मंडल, प्राचार्य,उप-प्राचार्य,शिक्षकों और उन सभी छात्रों की दिल से सराहना करता हूँ जिन्होंने इस प्रकाशन को सफल बनाने में योगदान दिया है। उनकी प्रतिबद्धता, रचनात्मकता और टीम-भावना विशेष प्रशंसा की हकदार है।

मुझे उम्मीद है कि यह ई-मैगज़ीन हर पाठक को उत्साह के साथ ज्ञान प्राप्त करने, आत्मविश्वास के साथ रचनात्मकता को अपनाने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी। मैं भविष्य के सभी प्रयासों में निरंतर सफलता के लिए पूरे केंद्रीय विद्यालय परिवार को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।

शुभकामनाओं के साथ,

अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति (VMC)

श्री निखिल टंडन

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय आई एन ए कॉलोनी, नई दिल्ली

प्राचार्य संदेश

"विद्या ही वह प्रकाश है जो जीवन के प्रत्येक मार्ग को आलोकित करती है।"

प्रिय विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकगण

हमारे विद्यालय की ई-मैगज़ीन के इस नवीन अंक के प्रकाशन पर मुझे अत्यंत हर्ष एवं गर्व का अनुभव हो रहा है। यह ई-मैगज़ीन हमारे विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, प्रतिभा, परिश्रम एवं नवाचार का सुंदर प्रतिबिंब है।

विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नैतिक मूल्यों के विकास और रचनात्मक अभिव्यक्ति का भी सशक्त माध्यम है। इस ई-मैगज़ीन में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत लेख, कविताएँ, चित्रकला, वैज्ञानिक सोच, साहित्यिक अभिव्यक्तियाँ तथा विभिन्न उपलब्धियाँ उनकी बहुआयामी प्रतिभा को दर्शाती हैं।

मैं इस ई-मैगज़ीन के संपादन एवं प्रकाशन में योगदान देने वाले सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा संपादकीय समिति को उनकी लगन, समर्पण और उत्कृष्ट प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई देती हूँ। आप सभी का यह सामूहिक प्रयास न केवल विद्यालय की उपलब्धियों को प्रदर्शित करता है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करेगा।

मुझे विश्वास है कि यह ई-मैगज़ीन प्रत्येक पाठक को ज्ञान, प्रेरणा और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करेगी। आइए, हम सभी मिलकर सीखने, सृजन करने और उत्कृष्टता की ओर निरंतर अग्रसर रहने का संकल्प लें।आप सभी के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर सफलता की हार्दिक शुभकामनाएँ।

प्राचार्य

श्रीमती रीना चक्रवर्ती

पी एम श्री केन्द्रीय विद्यालय आई एन ए कॉलोनी, नई दिल्ली

उप-प्राचार्य का संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, सम्मानित अभिभावकों एवं शिक्षकगण

विद्यालय की वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन हमारे लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है। यह पत्रिका केवल शब्दों का संकलन नहीं, बल्कि हमारे विद्यार्थियों के सपनों, विचारों, प्रतिभा और सृजनशीलता का सजीव दस्तावेज़ है। प्रत्येक रचना उनके परिश्रम, संवेदनशीलता और नवाचार की भावना को अभिव्यक्त करती है।

आज का युग ज्ञान, तकनीक और निरंतर परिवर्तन का युग है। ऐसे समय में आवश्यक है कि विद्यार्थी केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहें, बल्कि साहित्य, विज्ञान, कला, खेल और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का समग्र विकास करें। विद्यालय का उद्देश्य ऐसे नागरिक तैयार करना है जो ज्ञानवान होने के साथ-साथ संस्कारवान, संवेदनशील, जिम्मेदार और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित हों।

मुझे प्रसन्नता है कि हमारे विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न रचनात्मक एवं सह-शैक्षिक गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। यह पत्रिका उनकी कल्पनाशक्ति, अभिव्यक्ति की क्षमता और आत्मविश्वास का सुंदर परिचय प्रस्तुत करती है।

मैं इस पत्रिका के प्रकाशन में योगदान देने वाले सभी विद्यार्थियों, शिक्षकगण, संपादक मंडल तथा सहयोगी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देती हूँ। आप सभी के सतत प्रयासों से हमारा विद्यालय शिक्षा एवं संस्कार के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करता रहे—इसी मंगलकामना के साथ।

उप-प्राचार्य

सुश्री अनुपमा बंसल

पी एम श्री केन्द्रीय विद्यालय आई एन ए कॉलोनी, नई दिल्ली

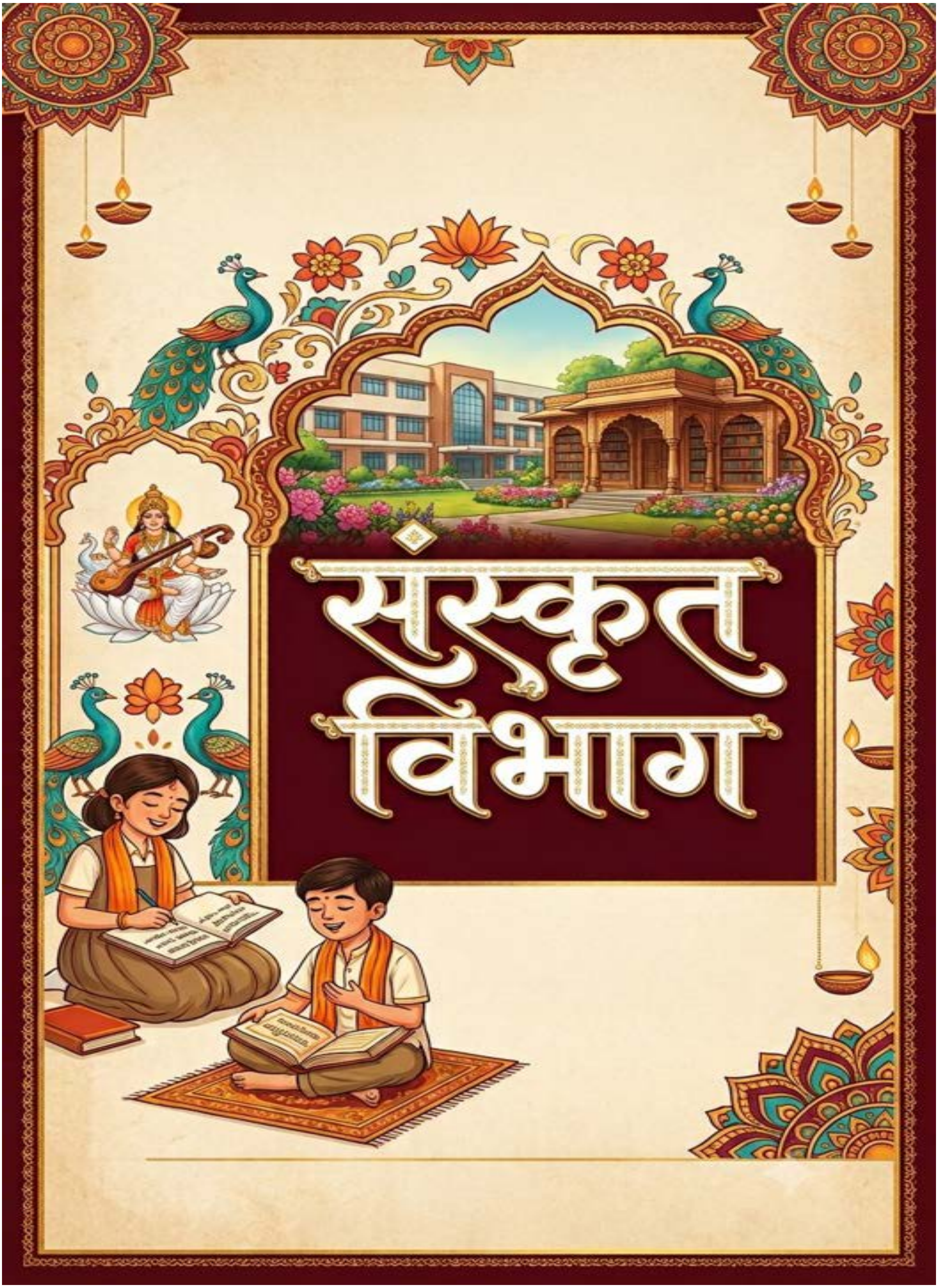
संस्कृत
विभाग

श्लोक

ॐ असतो मा सद् गमय ।

तमसो मा ज्योतिर्गमय ।

मृत्योर्मा अमृतम् गमय । ॐ शांति: शांति: शांति: ॥

ॐ सर्वैत्र सुखिन: सन्तु । सर्वे सन्तु निरामया: ॥

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु । मा कश्चिद् दु:समाप्नुयात् ।

ॐ शान्ति: शान्ति: शान्ति: ॥

नाम – अदिति वैसोया

कक्षा – सातवी 'ब'

Topic .... Date : 18/1/26.

प्रकृतिः

प्रकृतिः सुन्दरी माता,
हरित वस्त्र धारयति।
पर्वताः उच्चाः तिष्ठन्ति
नद्यः मधुरं वहन्ति ॥

वनानि शोभन्ते लोके,
पुष्पाणि सुगन्धं ददति।
पक्षिणः मधुरं गायन्ति,
मन्द वायुः वहति॥

सूर्यः प्रकाशं ददाति
चन्द्रः शीतलं करोतु।
प्रकृतिः अस्मान् रक्षति
वय प्रकृति रक्षामः ॥

वृक्षाः फलानि ददति,
छाया शीतलां प्रयच्छन्ति।
जलम् जीवनस्य आधारः,
प्रकृतिः सर्व पोषयति ॥

सरण देव

VIII-A.

Ritika Art & Craft

उषावन्दनम्

उद्बोधनमुषादेव्याः शृण्विदं पश्य वासरम् ।
जीवोऽयं जीव एवास्य जीवस्यासंशयं यतः ॥१॥

ह्रस्वजीवितमार्गेऽस्मिन्नस्य तिष्ठत्यचञ्चलम् ।
अखिलस्य समस्तं ते सत्यं याथार्थ्यमेव च ॥२॥

वृद्धेरनुग्रहो दिव्यः सुखहर्षं च कर्मणः ।
सौन्दर्यस्योज्ज्वलत्वं च सर्वमस्त्यत्र शाश्वतम् ॥३॥

यतो हि स्वप्नमात्रं ह्यः श्वोऽपि हा चिन्तकाल्पितम् ।
सुजीवितं चेत् किन्त्वद्य सुष्ठु कृत्स्नं करोति तत् ॥४॥

ह्यः सर्वं तुष्टिदं स्वप्नं श्वोऽप्याशानिर्भरं सदा ।
तदिदं वासरं पश्य सम्पोषः स्तुतिशाद्वला ॥५॥

→ कालिदासः

भव्या शर्मा
कक्षा → 8 A

Topic article in sanskrit — Sharanya

विद्यालयस्य महत्त्वम्

विद्यालयः ज्ञानस्य मंदिरम् अस्ति। अत्र छात्राः न केवलं पाठ्यवस्तुनि अपितु नैतिकमूल्यं च शिक्षां प्राप्नुवन्ति। विद्या जीवनस्य दीपः अस्ति यः अज्ञानस्य अन्धकारं निवारयति।

विद्यालये शिक्षकाः आदर्शरूपेण कार्यं कुर्वन्ति। ते छात्रान् अनुशासनं, मित्रता। परिश्रमं च शिक्षयन्ति। यत्र शिक्षायाः आदरः अस्ति, तत्र समाजः उन्नतिं प्राप्नोति।

नवीन कविता

सागरस्य तरंगाः,
चन्द्रस्य किरणाः।
पुष्पाणि विकसन्ति,
जीवनं क्षणिकम्।
सत्यं शाश्वतम्,
सुखं दुःखं समम्।
वायोः सनातनः नादः
नक्षत्राणि तारकाः।
जीवनं माया मृगतृष्णा,
सत्यं शाश्वतम्॥

अर्थ

सागर की ~~लहर~~ लहरे
चन्द्रमा की किरणें।
फूल खिलते हैं,
जीवन क्षणिक है।
सत्य शाश्वत है,
सुख दुख समान है।
वायु का सनातन नाद है,
नक्षत्र और तारे हैं।
जीवन माया की मृगतृष्णा है,
सत्य शाश्वत है।

अनुपल, सातवीं स

Topic: कविता (संस्कृत) Date: 17/2/26

उषावन्दनम्

उद्बोधनमुषादेव्याः शठिवद पश्य वासरम्।
जीवोऽयं जीव स्वास्य जीव स्यासंशयं यतः॥

ह्रस्वजीवित मार्तोऽस्मिन्नस्य तिष्ठत्य चञ्चलम्।
अस्तित्वस्य सस्त ते सत्य याथार्थ्यमेव च॥

वृद्धेरनुग्रहो दिव्यः समुद्गत्व च कर्मणः।
सौन्दर्यस्योज्ज्वलत्व च सर्वमस्त्यत्र शाश्वतम्॥

यतो हि स्वप्नमात्र ह्यः श्वोऽपि द्य चित्तकल्पितम्।
सुजीवित चेत किन्तवद्य सुफु कृत्स्न करोति॥

ह्यः स्र्व तुष्टिदं स्वप्न श्वोऽप्या शानिर्भर सया।
तदिद वासर पश्य सैषोषः सतुतिराद्दृत्ता॥

नाम - वर्षा मलिक
कक्षा - छठी
वर्ग - 'स'
अनुक्रमांक - सैंतीस

सुविचार

- कलिः शयानो भवति संजिहानस्तु द्वापरः उत्तिष्ठस्त्रेता भवति कृतं सपद्यते चरन् ।

- चन्दनं शीतलं लोके, चन्दनादपि चन्द्रमा।

- पुस्तकस्था तु या विद्या परहस्तगतं च धनम् कार्यकालेसमुत्पन्ने न सा विद्या न तद् धनम् ।

- अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम्।

- आलसस्य कुतो विद्या, अविद्यस्य कुतो धनम् ।

– Gurnoor kaur
7th 'B'

हिंदी विभाग

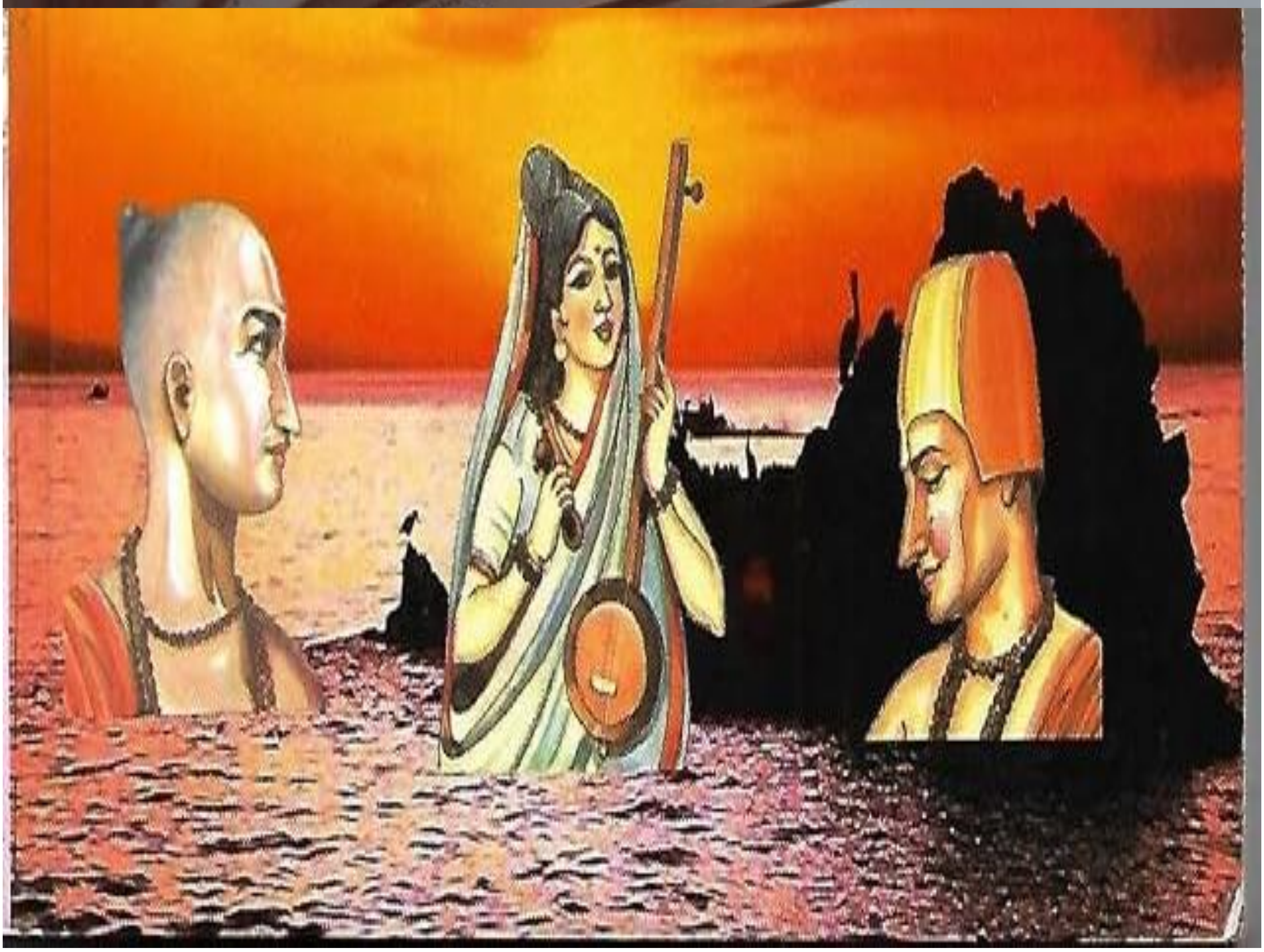

"आज की कीमत"

आज जो टाला तुमने,
कल वही भारी पड़ेगा,
वक़्त माफ़ तो कर देगा,
पर कर्ज़ याद रहेगा।

मेहनत कभी शोर नहीं करती,
पर धीरे-धीरे सब हिसाब करती है,
बहाने तो बस मन को बहलाते हैं,
मंजिल से तुझे भटकाते हैं।

हर दिन एक छोटा चुनाव होता है,
आराम या निर्माण होता है।
भीड़ हमेशा पहला चुन लेती है,
इसलिए दूसरी राह खाली रहती है।

जो आज की कीमत चुका देता है,
कल अपना सिक्का खुद बना देता है,
उसे फिर झुकना नहीं पड़ता है।

-Navya Sengar
IX-A

उम्मीद की किरण

अँधियारी रातों से मत डर,
सूरज फिर से आएगा।
टूटा हुआ हर सपना भी,
एक दिन रंग दिखाएगा।

छोटी-सी कोशिश जब मिलती,
बड़ी उड़ान बन जाती हैं।
सूखी धरती पर भी देखो,
बूँद नई जान बन जाती हैं।

रास्ते चाहे कठिन हों कितने,
कदम कभी रुकने न देना।
गिरकर फिर से उठना सीखो,
खुद को कभी झुकने न देना।

मन में रख विश्वास की लौ,
जो हर पल जगमग करती हैं।
उम्मीद की छोटी-सी किरण
ही, अँधेरों से लड़ती हैं।

नाम → देवांशी
कक्षा → IX-अ

Topic ____________ Date ____________

निबंध लेखन

यदि पेड़ बोल सकते

कल्पना कीजिए कि एक सुबह हम जागें और देखें कि पेड़ मनुष्यों की तरह बोलने लगे हैं। वे हमें अपनी खुशियाँ, तकलीफ़ें और वर्षों से देखी गई दुनिया की कहानियाँ सुनाने लगें। शायद सबसे पहले वे हमसे पूछें कि हमने उन्हें बिना वजह क्यों काटा, जबकि उन्होंने हमें हमेशा छाया, फल, फूल, लकड़ी और शुद्ध हवा दी।

पेड़ बताते कि उन्होंने कितनी पीढ़ियों को बड़ा होते देखा है। किसी पेड़ ने बच्चों को खेलते देखा होगा, तो किसी ने यात्रियों को धूप से बचाया होगा। वे हमें यह भी बताते कि पक्षियों का घर उजड़ने पर उन्हें कितना दुख होता है। यदि हम उनकी बातें सुन पाते, तो शायद पर्यावरण की रक्षा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी बन जाती।

पेड़ यह भी सिखाते कि जीवन में धैर्य कितना आवश्यक है। वे धीरे-धीरे बढ़ते हैं, लेकिन वर्षों तक दूसरों को लाभ पहुँचाते रहते हैं। तेज़ आँधी आने पर भी वे झुक जाते हैं, पर टूटते नहीं। यही गुण मनुष्य को भी अपनाने चाहिए।

मेरा मानना है कि भले ही पेड़ बोल नहीं सकते, लेकिन उनकी हर हरी पत्ती, हर ठंडी छाया और हर फल हमें एक संदेश देती है — प्रकृति का सम्मान करो, क्योंकि वही हमारे जीवन का सबसे बड़ा आधार है।

हंशिका
XI-C
18

Bombay KHS

Topic: ________ Date: ________

ई-पत्रिका

शिक्षिका

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाए।
मात-पिता से पहले आती,
जीवन में सदा आदर पाती।

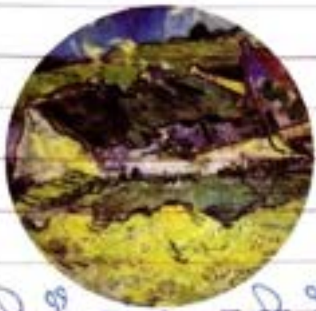

सबको मान-प्रतिष्ठा दिलाए,
सीधी कर्तव्यनिष्ठा सिखाए।
कभी रहे न दूर मुझसे,
वह मेरी पथप्रदर्शिका है जो।
मेरे मन को भाती,
वह मेरी शिक्षिका कहलाती।

कभी है शांत, कभी है धीर,
स्वभाव में सदा गंभीर।
मन में दबी रहे ये इच्छा,
काश मैं उस जैसी बन पाती,
जो मेरी शिक्षिका कहलाती।

नाम- एकता
कक्षा- नवीं 'अ'

दिनांक - 17-फ़रवरी, 2026.

सफलता

सफलता से थोड़ी दूरी है,
क्योंकि तैयारी अभी अधूरी है,
वक्त लगेगा और मुझे, पर
लक्ष्य पर नजर पूरी है

सपने देखे जो, बहुत बड़े,
उनकी जिम्मेदारी मेरी है,
आँखो मे अब नींद कहा,
कहा हिम्मत मैंने हारी है,

बढ़ूंगी और हासिल करूंगी,
पूरी कोशिश जारी है,
होगा एक दिन ऐसा भी
जब कहूंगी, हाँ आज मेरी बारी है

PRAJNA,IXA

Topic HINDI ARTICLE ON TREE Date : 18/02/2026

DHRUV RAJ
6th A

पेड़ हमारे जीवनदाता

पेड़ हमारे जीवनदाता है जो हमारे लिए बहुत ही उपयोगी हैं। पेड़ो का हमारे जीवन मे बहुत महत्व है। यह हमें ऑक्सीजन, ईंधन, भोजन, फल, फूल आदि सब देते है। कुछ पेड़ो को पूजनीय माना जाता है और कुछ औषधि के रूप मे प्रयोग किए जाते है। पेड़ मिट्टी की पकड़ मज़बूत रखते है और वर्षा लाने में भी सहायक है। पेड़ प्रकृति द्वारा दिया गया एक अनमोल उपहार है। जिनपर सभी पशु - पक्षी और मनुष्य निर्भर है। पेड़ पृथ्वी के रक्षक है जो उसे दूषित हो से बचाते है। पेड़ धरती पर जीवन व्यापक रखने के लिए आति आवश्यक है।

पेड़ पर कविता

पेड़ हमारे साथी है,
छाया हमको देते है।
बाढ़ से हमे बचाते है,
मीठे फल भी देते है।
पेड़ कितने ज़रूरी है,
फिर भी बेचारे कटते है।
हम भी पेड़ लगाएँगे,
संसार को हरा - भरा बनाएँगे।

Date:
Mon. Tue. Wed. Thu. Fri. Sat. Sun

Sharanya
6A

No

परीक्षा पे चर्चा

कविता

- आई परीक्षा निकला दम
- खेलकूद सब हो गये कम.

- दिनभर पुस्तक पढ़ना है.
- परीक्षा से नही डरना है,

- खाना-पीना कम करेगें
- टी.वी मोबाइल से दूर रहेंगे.

- हम दिन-रात चिंतन करेंगे
- पढने में ही लगे रहेंगे,

- वक्त ये कीमती है.
- चला गया तो न आयेगा.

- पढ लो आज मौका है.
- नहीं तो फिर पछतायेगा,

धन्यवाद

ज्ञान की ज्योति

Topic Page No. Date

ज्ञान की ज्योति जलाने वाला,
यह पी.एम. श्री विद्यालय है।
हमें सही दिशा दिखाने वाला,
यह पी.एम. श्री विद्यालय है।

यहाँ शिक्षक देते हमको शिक्षा,
मेहनत का पाठ पढ़ाते हैं।
भले-बुरे की समझ कराते,
सच की राह दिखाते हैं।

दोस्तों के संग पढ़ते-लिखते,
कई साल हम बिताते हैं।
खेल और अनुशासन से,
जीवन को सुंदर बनाते हैं।

डिजिटल कक्षा और आधुनिक ज्ञान,
इस विद्यालय की है पहचान।
हमारा भविष्य यहाँ सँवरता,
हम बनते अच्छे इनसान।

— समर्थ
6'C'
28

Topic_________ Date Name- Aditi baisoya
Class → VII B

परीक्षा विशेष

परीक्षा के महत्त्व

→ परीक्षा छात्रों को अनुशासित होने, समय का प्रबंधन करने और अपनी पढाई पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है।
→ यह छात्रों को उनकी क्षमताओं को पहचानने और सुधारने का अवसर प्रदान करती है।
→ परीक्षा के परिणाम छात्रों को उनकी भविष्य की योजनाओं के बारे में निर्णय लेने में मदद करते हैं।

परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन

→ परीक्षा के दौरान तनाव को कम करने के लिए 5-4-3-2-1 ग्राउंडिंग तकनीक का उपयोग करें।
→ पर्याप्त नींद लें और स्वस्थ आहार लें।
→ नियमित व्यायाम करें और ध्यान लगाएं।

WRITO-LINE
Teacher's Signature ....
D8 DESIGNER

नव सवेरा

रात की चादर हट रही है,
उम्मीदों की किरण जग रही है।
हर कोना रौशनी से भर गया,
मानो अंधकार अब डर गया।

चलो उठें, कुछ नया करें,
सपनों को हकीकत में ढलने दें।
हर कठिनाई को पार करें,
दिल की आवाज को बोल दें।

न कोई शिकवा, न कोई गिला,
हर मन में हो प्रेम का किला।
हर इंसानियत को अपनाएं,
नफ़रत की दीवारें गिराएं।

कल की गलती अब न दोहराएं,
आज को सुंदर हम बनाएं।
सच की राह पर चलें सदा,
यही हो जीवन की सबसे बड़ी दुआ।

नाम→ स्नेहा पाण्डेय
कक्षा→ XII-A

Neelstar® Designer

मुझे स्कूल जाने की आकांक्षा है

सुबह सवेरे मन कहता है,
चलो स्कूल की राह,
कंधो पर बस्ता, आँखों मे सपनें,
दिल में नई-सी चाह।

किताबों से दोस्ती करनी है,
ज्ञान पर बस्ता, कि ज्योति जलानी है
गुरू के स्नेह और सीख से
नई दुनिया बनानी है।

दोस्तों संग हँसना-खेलना
हर दिन कुछ नया सीखना है,
गिरकर फिर से उठना है,
सपनों की ओर बढ़ना है।

स्कूल मेरे सपनों का आँगन,
मेरी आशाओं की भाषा है,
हर सुबह बस यही पुकारूँ
मुझे स्कुल जाने की आकांक्षा है।

— आकांक्षा
आठवी 'स'

हिन्दी टंग ट्विस्टर

1. चंचल चंदू ने चटपटी चाट चखी,
चटपटी चाट ने चंदू की चटपटी चोंच चटका दी!

2. पप्पू के पापा ने पप्पू के पापड़ पर पुदिना पोता,
पप्पू ने पुदिने वाले पापड़ पर फिर पापड़ पोता!

3. काली कमली वाले काका ने
काले कंबल पर काली कमली काढ़ी।

4. टेढ़े तिवारी ने तिरछी तश्तरी में
तीन ताज़े तरबूज़ तोले।

5. शाशि ने शिशे से पूछा —
"शिशे, शिशे! शाशि की शरारत सुंदर या शिशे की
चमक?"

6. गप्पू ने गोल-गोल गुलगुले गिने,
गोलगप्पे वाले ने गप्पू से पूछा—
"गिने गुलगुले या खाए गुलगुले?"

nikhil
9C

रिश्तों में भरोसा

एक समय की बात है, गोपालगंज नाम के गाँव में दो पक्के मित्र रहते थे। पूरा गाँव उनकी मित्रता की तारीफ़ करता था। एक का नाम अमन था और एक का नाम ध्रुव। वे दोनों एक दूसरे पर जान छिड़कते थे। हर कोई उन्हें राम-श्याम कहता था। एक दिन दोनों ने मिलकर एक दुकान खोली वो एक कपड़ों की दुकान थी। ध्रुव कपड़ों को सिलने में बहुत महान था। लेकिन उनकी दुकान के सामने ही गोपाल जी की पुश्तैनी कपड़ो की दुकान थी। जब गोपाल जी ने अमन और ध्रुव को देख जलन में आ गए। ध्रुव के पास लाखों ग्राहक आने लगे और गोपाल जी के पास कोई भी नहीं आता। ध्रुव और अमन के चर्चे पूरे गाँव में फैल गए। गोपाल जी ने सोचा कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो मेरी दुकान बंद हो जाएगी। एक रात गोपाल जी उनकी दुकान पर पहुंचे, और सारे पैसे ड्रॉर से निकाल कर अमन के थैले में डाल दिए। सुबह उठकर जब ध्रुव ने दुकान खोलने से पहले ड्रॉर देखा तो सारे पैसे गायब थे, उसने अमन से पूछा तो उसने कहा मुझे तो नहीं पता, चलो ढूंढते हैं। तभी ध्रुव ने अमन का थैला झटका तो उसमें से सारे पैसे गिरने लगे। तब ध्रुव बोला की भाई अगर तुझे पैसे चाहिए थे तो तुमने मुझ से बोला क्यों नहीं, मैं तुम्हें ऐसे ही दे देता, परंतु तूने चोरी की है तो ये सारे पैसे तुम ही रख लो लेकिन अब से हम दोनों की दोस्ती खत्म और तुम यहाँ से चले जाओ। अमन रोते हुए चला गया। ध्रुव ने दुकान तो खोली परंतु उसका मन काम में नहीं लग रहा था। वहीं गोपाल जी बहुत ज्यादा खुश थे। दोपहर के समय गोपाल जी अपने पड़ोसी को चोरी वाली घटना बता रहें थे और उन्होंने कहा की यहाँ चोरी मैंने ही की थी। जब वे अपने पड़ोसी को सारी घटना बता रहे थें तो वहीं एक पेड़ के पीछे अमन उनकी सारी बात खड़ा होकर सुन रहा था। उसने सारी बात सुनकर ध्रुव को बताई। ध्रुव को जब पता चला तो वो अमन को लेकर गोपाल जी के पास गया और कहा अगर सच बोलो तो बच जाओगे परंतु अगर तुम झूठ बोलो तो अंजाम बहुत बुरा हो सकता है। डर में आ कर गोपाल जी ने सारी बात बताई और उनसे माफी मांगी। वे दोनों फिर दोस्त बन गए और वापस किसी के चक्कर में लड़े नहीं

मन्नत मिश्रा
कक्षा - 8वी ब

परीक्षा आई

परीक्षा आई मन घबराया,
किताबों ने फिर साथ निभाया।
मेहनत से जो पढ़ता जाता,
सफलता का फल वही है पाता।

सुबह - सुबह उठ पढ़ने बैठूँ,
सपनों को सच करने दौड़ूँ।
डर को दिल से दूर भगाऊँ;
आत्मविश्वास सदा अपनाऊँ।

कलम चले जब उत्तर लिखूँ,
ज्ञान का दीपक मन से देखूँ।
मेहनत संग जरूर है लाती,
हर मुश्किल आसान बनाती।

हिम्मत, लगन और सच्चाई,
यही है सफलता की कमाई।
परीक्षा तो बस एक पड़ाव,
आगे है जीवन का बड़ा पड़ाव।

सीख यही है बच्चों प्यारे,
मेहनत करो बनो सितारे। ★

→ By- Rakshit Jha
(self made)

हौसलों की उड़ान

जो ठान लिया वो कर दिखाएंगे
मुश्किल राहों पर भी चल जाएंगे
आंधी आए या तूफान बड़ा
हम तो हौसलों से लड़ जाएंगे।

गिरना तो है एक सबक की तरह
संभलना है फिर दमक की तरह।
पसीने की हर एक बूंद कहे,
सफलता मिलेगी, बस तू सहे।

मत सोच कि तू अकेला है यहाँ
तेरे अंदर ही छिपा एक कारवाँ।
हर सपना तुझसे बात करेगा
जब तू खुद पे विश्वास करेगा।

चल पड़, अब रुकना नहीं
तेरे पीछे समय भी झुके कहीं
मंज़िल तुझसे दूर नहीं
बस एक कदम और सही।

हर्षिता
XII – A

Topic

परीक्षा पर चर्चा

खुद से लड़ना होगा,
आग में जलना होगा।
परीक्षा का वक्त है,
दिन रात पढ़ना होगा।

क्या है परीक्षा पे चर्चा,
क्या है परीक्षा पे चर्चा।
जिसमे पी. एम. मोदी,
बच्चों को बताता क्या है।
सही क्या है गलत।

जिस बच्चे को लगता डर
हिन्दी हो, फिर मैथ्यू का
डर परीक्षा पे चर्चा देखकर
नही लगता डर॥

पी. एम. मोदी हर राज्य
के बच्चे से करते बात
उनकी परेशानी का करते
है समाधान॥

अन्त: मैं यही कहना चाहूंगा
यही तो है परीक्षा पे
चर्चा, यही तो है परीक्षा पे
चर्चा॥

धन्यवाद

नाम - गोपाल
कक्षा - सातवी सं

Blossoms

Teacher's Signature

डिजिटल शिक्षा – नई सोच, नया युग

आज का युग तकनीक का युग है। हर क्षेत्र में डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है, फिर चाहे वह बैंक हो, चिकित्सा हो या शिक्षा। शिक्षा के क्षेत्र में भी अब डिजिटल माध्यमों का बहुत ज्यादा प्रयोग होने लगा है। इसे ही हम डिजिटल शिक्षा कहते हैं। डिजिटल शिक्षा का मतलब है इंटरनेट, मोबाइल, लैपटॉप, स्मार्ट क्लास और अन्य ऑनलाइन साधनों के जरिए पढ़ाई करना। पहले जहाँ हमें स्कूल या ट्यूशन जाना पड़ता था, अब घर बैठे मोबाइल या लैपटॉप से पढ़ाई हो सकती है। ऑनलाइन क्लास, वीडियो लेक्चर, ई-बुक्स और टेस्ट सीरीज जैसी चीजें इस युग को और आसान बना रही हैं।

डिजिटल शिक्षा से सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे समय की बचत होती है। छात्र कभी भी और कहीं से भी पढ़ाई कर सकते हैं। लॉकडाउन के समय डिजिटल शिक्षा ने ही छात्रों की पढ़ाई को जारी रखा।

लेकिन इसके नुकसान भी हैं। सभी के पास स्मार्टफोन नहीं होता। ज्यादा स्क्रीन देखने से आँखों पर असर पड़ता है और ध्यान भी भटक जाता है।

फिर भी, अगर सही तरीके से और संतुलन में डिजिटल शिक्षा का उपयोग किया जाए, तो यह बहुत फायदेमंद है। यह शिक्षा को आसान, सुलभ और आधुनिक बनाती है। निष्कर्ष में कहा जा सकता है कि डिजिटल शिक्षा आज की जरूरत है। यह सिर्फ एक विकल्प नहीं बल्कि आने वाले समय का भविष्य है। हमें इसे समझदारी से अपनाना चाहिए।

मंतशा बानो

XII - A

कर्म ही पूजा है

चलो उठो अब काम करो, न आलस को अपनाओ,
सपनों को सच करने का, एक दीपक जलाओ।
मंदिर - मस्जिद दूर नहीं, जब कर्मों में हो नाता,
हर मेहनत का फल मिलेगा, यह सच्चा है विधाता।

कर्म बिना सब शून्य है, बस शब्दों की माया,
जो कर्मपथ को छोड़ दे, उसकी दुनिया है काया।
पूजा से भी ऊपर है, जो निष्ठा से कर्म करे,
न कोई डर, न कोई भ्रम, बस लक्ष्य की ओर बढ़े।

आस्था तेरे श्रम की है, ताली है तेरा यशगान
पसीने की हर एक बूँद, बन जाए तेरा अभिमान।
कर्म ही पूजा बन जाए, जब दिल से किया जाए,
हर कण में तू ईश्वर देखे, जब सच्चा मार्ग अपनाए।

विद्यालय – पी.एम श्री केंद्रीय
विद्यालय आई.एन.ए
कॉलोनी नई दिल्ली
नाम - मानसी पन्त
कक्षा – 12 'अ'

ENGLISH

SECTION

www.navneetstore.com

Date: Page:

Topic:

THE RISE OF AI — ARTIFICIAL INTELLIGENCE

Artificial Intelligence, or AI, is one of the greatest inventions of Modern Technology. It helps people in many ways such as education, healthcare, farming etc.

There are many advantages of AI, The main Advantage of AI is, ~~F~~ that, It saves time, it makes ~~a~~ the work ~~esie~~ ~~a~~ easier etc. AI Is a very useful technology for students, farmer, and Doctors. Students use AI by learning difficult Topics in easy way. Doctors use AI to detect desease and to give better treat-ment. It Also help scientist and buisinesses by making their work easier.

AI has some disadvantages. If the people depended too much on AI so they may stops thinking, and solving problems on their own, some jobs may replaced by machines. And AI can missused to spread false information, create fake images and videos,

AI is a powerful tool but can't replace human emotions. creativity. etc. AI ~~has~~ is a good tool but ~~no~~ when not missused. Always remember that Humans had made AI ~~not~~, AI had not made humans.

By - Prakriti Verma
Roll no. - 37
Class - IX - C

2026-27

The Power of Kindness ~

Kindness is one of the greatest qualities a person can have. It does not require money or a special talent - only a caring heart. A small act of kindness, such as helping a friend, respecting elders, sharing with others, speaking politely, can make a big difference in someone's life.

In today's busy world, people often forget the importance of being kind. However, even a simple smile or a few encouraging words can brighten someone's day. Kindness spreads happiness and creates a positive environment wherever it goes.

Students can practice kindness every day by helping classmates, keeping the school clean, following rules, treating everyone with respect.

Kindness not only makes others happy but also to the person who shows it. As the saying goes "No act of kindness is ever wasted." Let's make kindness a habit and help buil a better and happier society.

- Thank You -

Topic Artical: The power of books Date 26.6.2026

Name: Sharanya
Class: 7th
Section: A
Roll no.: 30

The Power of Books

Books are silent teachers. They travel with us without sound, without weight, speak to us without sound, and stay with us long after we close them In a world full of screens and notifications, a book asks for just one thing - your attention. In return, it gives you new worlds, old wisdom, and a quieter mind.

A school library is not just a room with selves, It is a time - machine. Ten minutes with "Wings of Fire" and you're sitting with Dr. A.P.J. Abdul kalam. One chafer of "Malguli Days" and you're walking the dusty lanes of a small town. Book teach us empathy because they let us live lives we haven't lived. They teach us courage because we see characters fail, learn, and try again.

A Vidyalaya is built with briks, but its spirit is built with ideas. Let's keep turning books.

Thank You

Teacher's Sign. ....

Roll no-35

Topic
Name: Nilanshi Singh – IX-C

Date : ___ ___ ___

Page No.: ___

KAIZEN

The Art Of Continuous Improvement.

'Kaizen' is a Japanese philosophy that means "Continuous Improvement". It teaches us that great success is not achieved through one big step, but throught small, consistent efforts every day.

As students, we often wait for the perfect moment to begin. Kaizen reminds us that progress starts with a single step – learning one new concept, correcting one mistake, or becoming a little better than yesterday.

This mindset teaches us to see failures as lessons & challenges as opportunities. Every small improvement repeated with patience & dedication, build confidence & resilience, proving that true growth comes for consistency rather than perfection.

The true spirit of Kaizen lies in consistency. Even the smallest positive change, when repeated with patience, has the power to transform future.

"Small improvements today, Shape Extraordinary Tomorrows"

Teacher's Sign. ___

Topic ____ Date ____

A DAY WITHOUT INTERNET

BY ! MANSI
CLASS: 9th C
Roll no: 7

Nowadays, the internet has become an important part of our daily life. We use it for studying, entertainment, communication and many other activities. But have we ever Imagined spending a whole day without the internet?
A day without internet would feel unusual at first. Many students depend on it for online classes, homework, searching information and staying connected with friends. Without internet, people may feel bored and disconnected because they are used to social media and instant communication.
However spending one day without internet can also have positive effects. people would spend more time with family members with friends. Students could focus better on studies without distractions. Many people may discover hobbies like reading books drawing, exercising or playing outdoor games.
A day without internet would remind us that technology is useful but should not control our lives. It teaches us the importance of balancing offline or online activities. The internet makes life easier, but real experiences and personal connections are equally important

In conclusion, a day without internet may seem difficult in today's world, but it can help us become more productive, creative and connected to real life.

Citizen Prime

Name: Vanshika Jha
Roll No: 34
Class: 6th C

My School - My PRIDE

A School is called the temple of education. My School is my second home where I learn to read, write, and become a good person.

My School is very beautiful and clean. We have a big playground, a library, a Science lab, and and a computer room. All my teachers are very kind and knowledgeable. They teach us through Stories and fun activities.

We celebrate Independence Day, Republic Day, Teachers's Day, and children's Day with great joy every year. We start our day with the morning prayer - "Give us strength, O Lord".

My School has taught me discipline, honesty. and hard work, I have also made many good friends here.

I Promise that I will study with full dedication and make my school and parents proud. I am very pround of my school.

laxy M33 5G

Thinking Machines: Evolution of AI

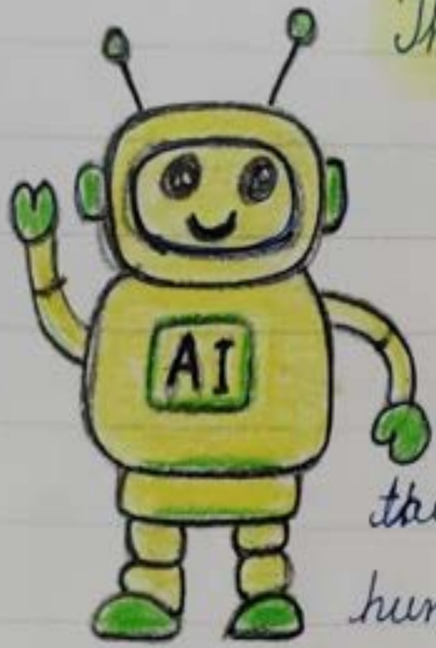

Artificial intelligence or AI is the field in which computers and machines are taught to think and learn like humans. AI was first conceived in the 1950s by the scientist Alan Turing. We use AI everyday when we watch videos online or search internet. Virtual assistants like 'Siri' and 'Alexa' are examples of AI that help us answer questions and complete simple tasks. AI is used in schools and learning apps to help students. Doctors use AI to help identify diseases and to suggest the best treatments. Self-driving cars use AI to navigate roads safety without a human driver.

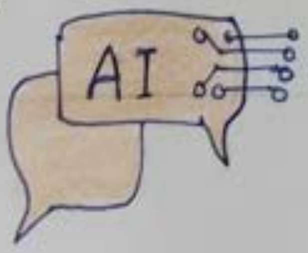

Name - Mihir Singh Rajput
Roll No. - 43
Class - VI C

Vidyalaya E-Pratika   Date 26-6-20

The Importance of Trees

Trees are one of the greatest gifts of nature, The give us oxygen to breathe, fruits to eat and wood for many purposes. They also provide shelter to birds and animals. Trees keep the environment clean and help bring rain. They reduce pollution and make, Our surrounding beautiful. We should plant more trees and protect the ones around us. Cutting trees without need harms nature. Every student should plant at least one plant & tree and take care of it!!!..

Thankyou!!

Save trees, Save Earth.

Name- Viraaj Chauhan

Class - Sixth - 6thC

Roll no:- 35 thirty five

Citizen

ART

SECTION

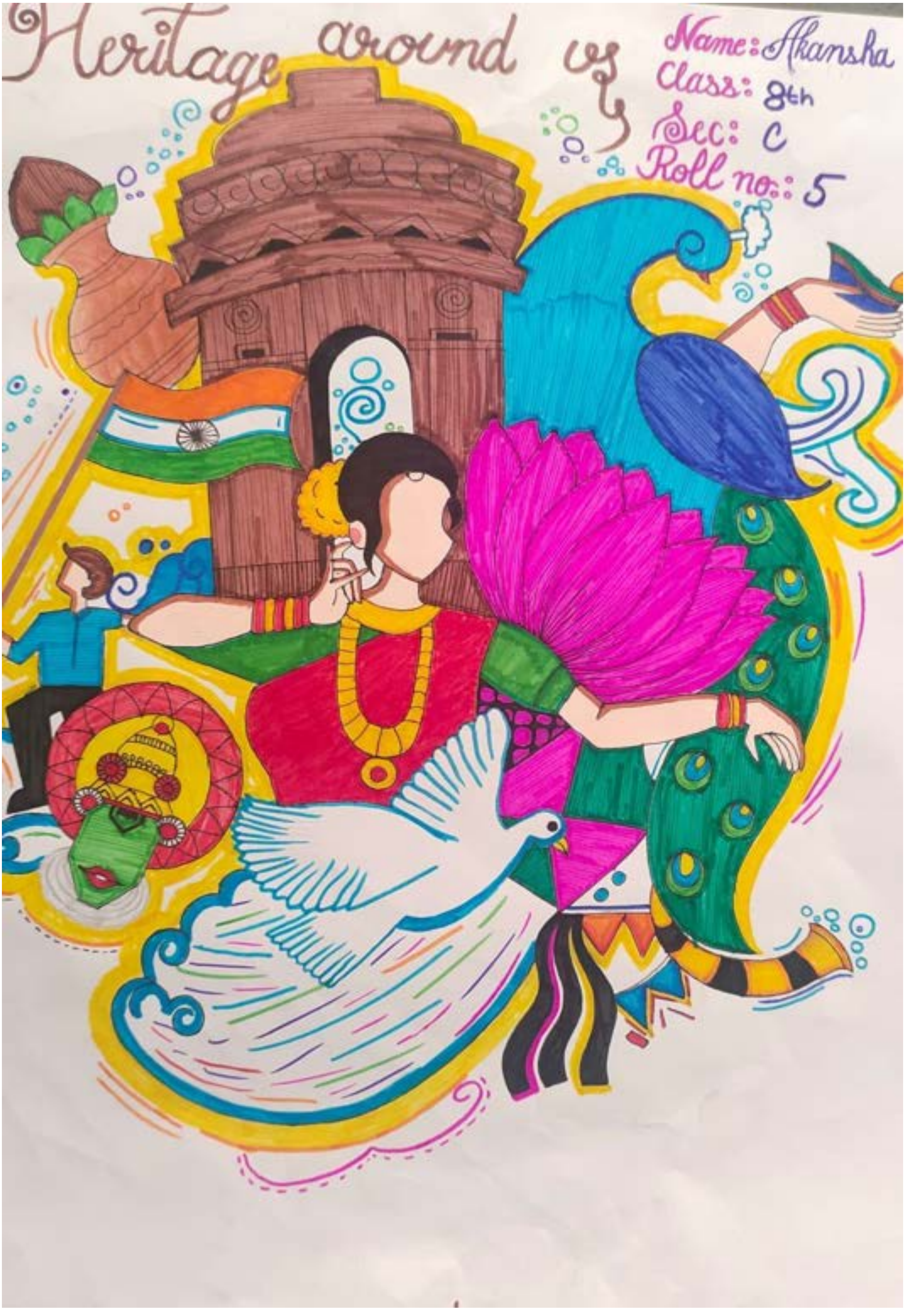
Heritage around us
Name: Akansha
Class: 8th
Sec: C
Roll no.: 5

AVANI BAHTI,IXB

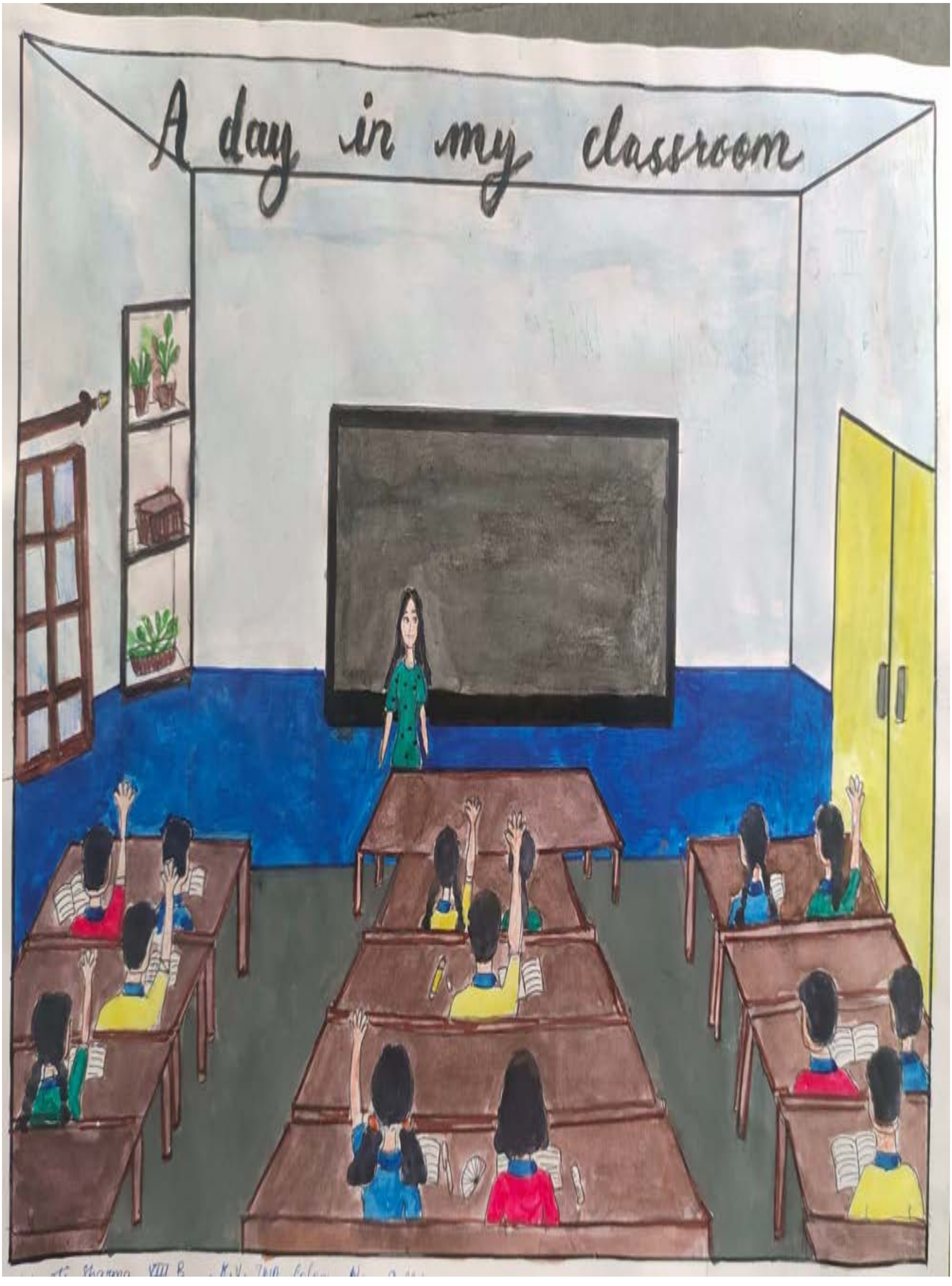

KHAYATI SHARMA,VIIIB

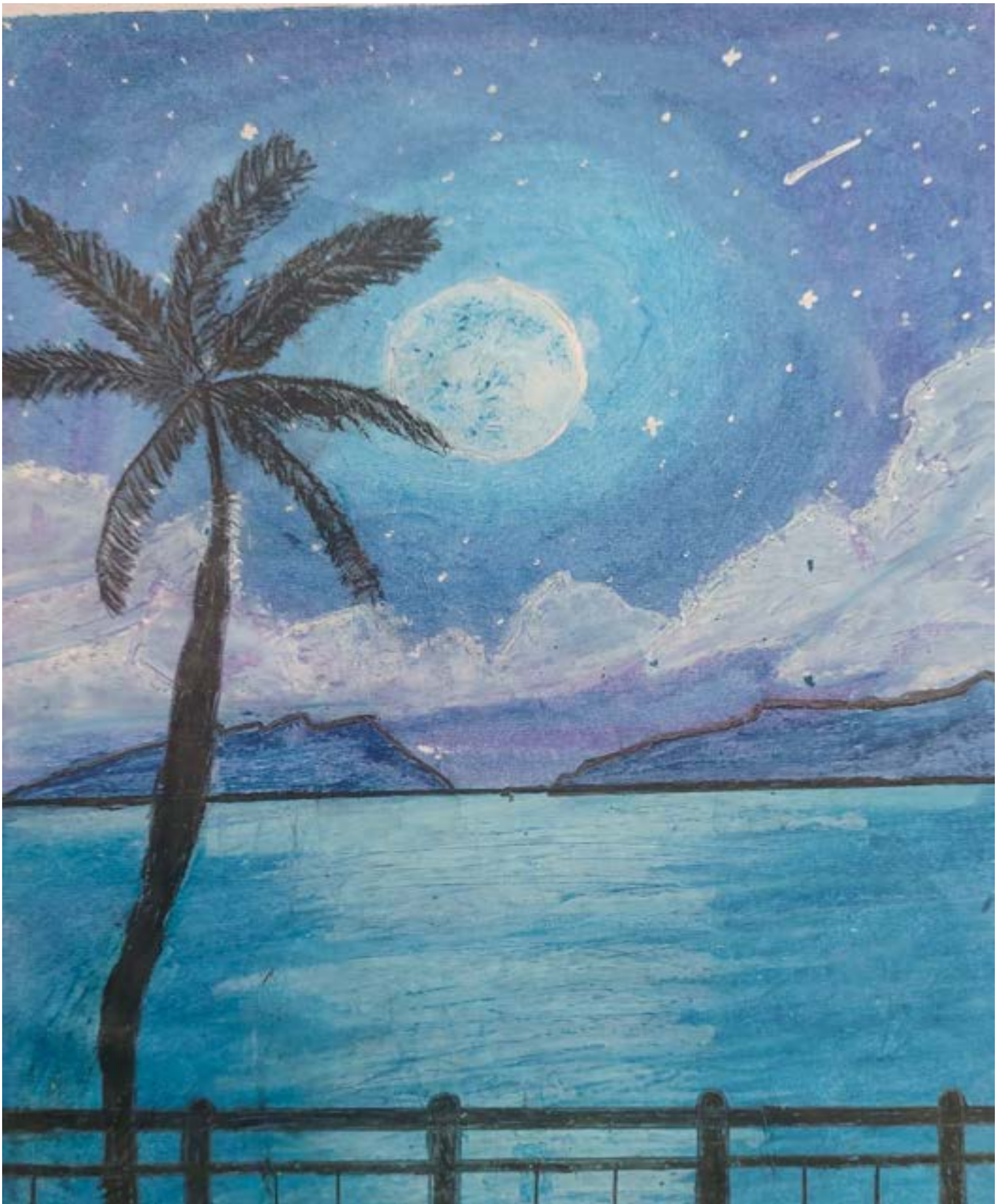

MRIDUL GAUTAM , IXC

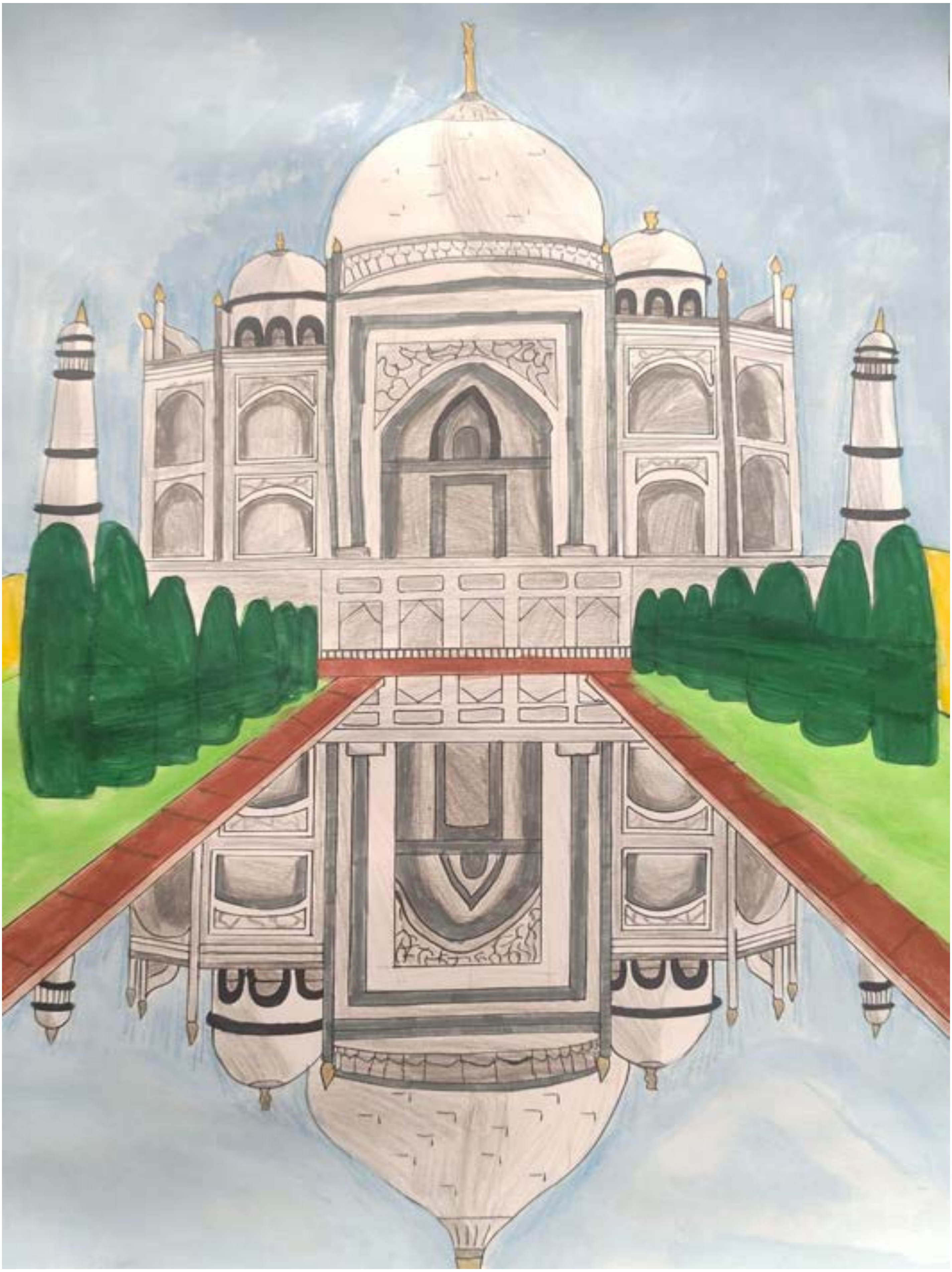

NIKITA,VIIB

LATIKA KORI, VIA

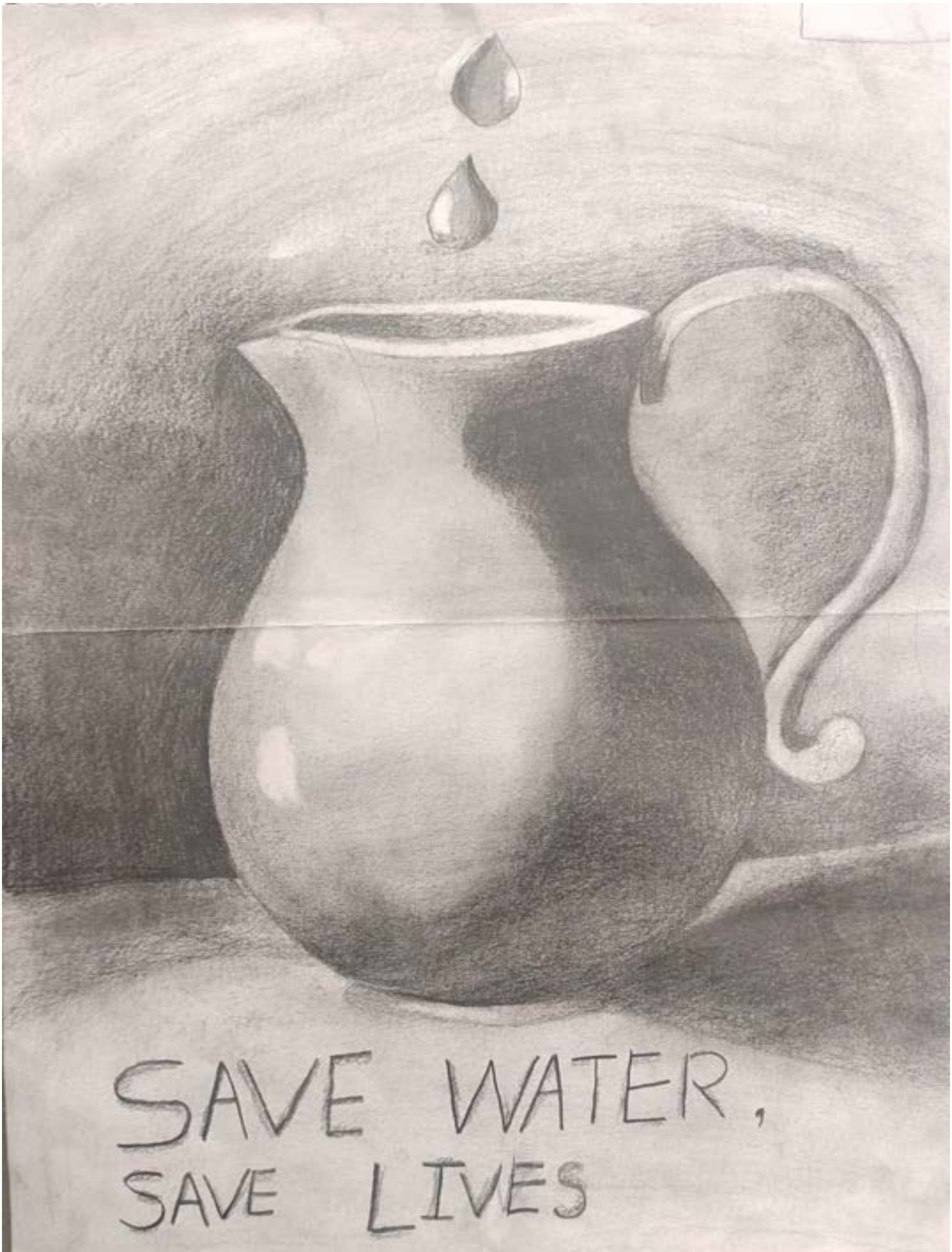

GURNOOR KAUR,VIIIB

NIKITA, VIIIB

ACTIVITY

SECTION

Sports · Games · Achievements · Fun Challenges

Annual Panel Inspection

Kitchen Garden (developed under Vidyanjali by NGO ICLEI)

Grandparents Day Celebration

Scout and Guide Activities

Activities for Holistic Development

Community Lunch

Exposure Trips(for VI to XII) Conducted under PM SHRI Scheme

Fields Trips (for I to V) Conducted under PM SHRI Scheme

Self Defence Training (for class VI to VIII girls)

Kaushal Mela(15.12.25)-Showcasing Vocational & Life Skills Learnt During Bagless Days

Vocational And Skill Education Activities conducted under Bagless Days Programme

SALAD MAKING COMPETITION

ANNUAL SPORTS DAY

VIDYA PRAVESH

INVESTITURE CEROMANY

ACHIEVEMENTS

Sports Champions · Academic Excellence · Proud Moments

SPORTS ACHIEVEMENT AT SGFI

Manisha XII A – Yoga

Gold medal

Vachi X A- Cricket

Gold medal

Himanshu XII B – Shooting

Gold medal

Jitender IX B – Yoga

IVth Position

Selected for INSPIPRE MANAK AWARD

Aditi Agarwal

Selected for MANASVI PROGRAMME

1)Kriti Pandey 2) Chetanya 3) Akruti Patel 4) Alka

ACADEMIC
ACHIEVEMENTS

PM SHRI KV INA COLONY NEW DELHI
CBSE CLASS 10 RESULTS (2025-26)
Heartiest congratulations to our outstanding achievers who have scored 90% and above
ADITYA PRAJAPATI
95.2 %
HANSIKA SHARMA
94.4 %
ABHISHEK GOYAL
92.8 %
PRIYANSHU BHARDWAJ
92.6 %
SARTHAK SINHA
92.6 %
LAKSHYA
92.4%
ANANT
92.4 %
ANSHIKA
91.4 %
ARPIT NAGAR
91 %
ALTMAS ALI
90.8 %
PALLAVI RAWAT
90.6 %
VISHWAJEET SAXENA
90.6 %

PM SHRI KV INA COLONY NEW DELHI
CBSE CLASS 12 RESULT (2025-26)
HEARTIEST CONGRATULATIONS TO OUR CLASS 12TH TOPPERS
SCIENCE STREAM
HARSHITA
XIIA
93.8%
JIYA SINGH
XIIA
92.4%
SNEHA PANDE
XIIA
92.4%
AVISHI GUPTA
XIIA
92%
COMMERCE STREAM
RISHABH SINGH
XIIB
89.4%
BHAVYA
XIIB
81.4%
ANANYA KAUSHIK
XIIB
80.2%
HUMANITIES STREAM
OJASWINI
XIIC
92.8%
JYOTI
XIIC
90.4%
MANNAT
XIIC
90.4%

STUDENT QUALIFIED JEE MAINS 2025-26

Kushant (scored 90.37percentile in JEE Mains)

Achievements in Rashtriya Bal Vaigyanik Pradarshani 2025-26

Shubham Pandey XI A

(selected for KVS National Level)
Project Name- Fruit Freshness Detector smart storage facility

Ankit IX A

(selected for KVS National Level)
Project Name-Smart City aiding Development

Selected for INMO (Indian National Mathematics Olympiad)

Tejas Singh of Class XI A selected for INMO (Indian National Mathematics Olympiad) 2026 after qualifying two stage examination i.e. IOQM (Indian Olympiad Qualifier in Mathematics) and RMO (Regional Mathematical Olympiad).

धन्यवाद